Baba’s Praise

4/4/2015

- बाप ही आकर इस सृष्टि को पुरूषोत्तम बनाते हैं।

- हबाप है ही सच्चा सोना, सच कहने वाला। उनको ट्रुथ कहते हैं। सब कुछ सत्य बताते हैं।

- बाप तो एवर प्योर है। वह आते ही हैं हसीन बनाने। मुसाफिर है ना। कल्प-कल्प आते हैं, नहीं तो पुरानी दुनिया को नया कौन बनायेंगे!

- अब तुम जानते हो बाप हमको पुरूषोत्तम बनाने लिए पढ़ा रहे हैं।

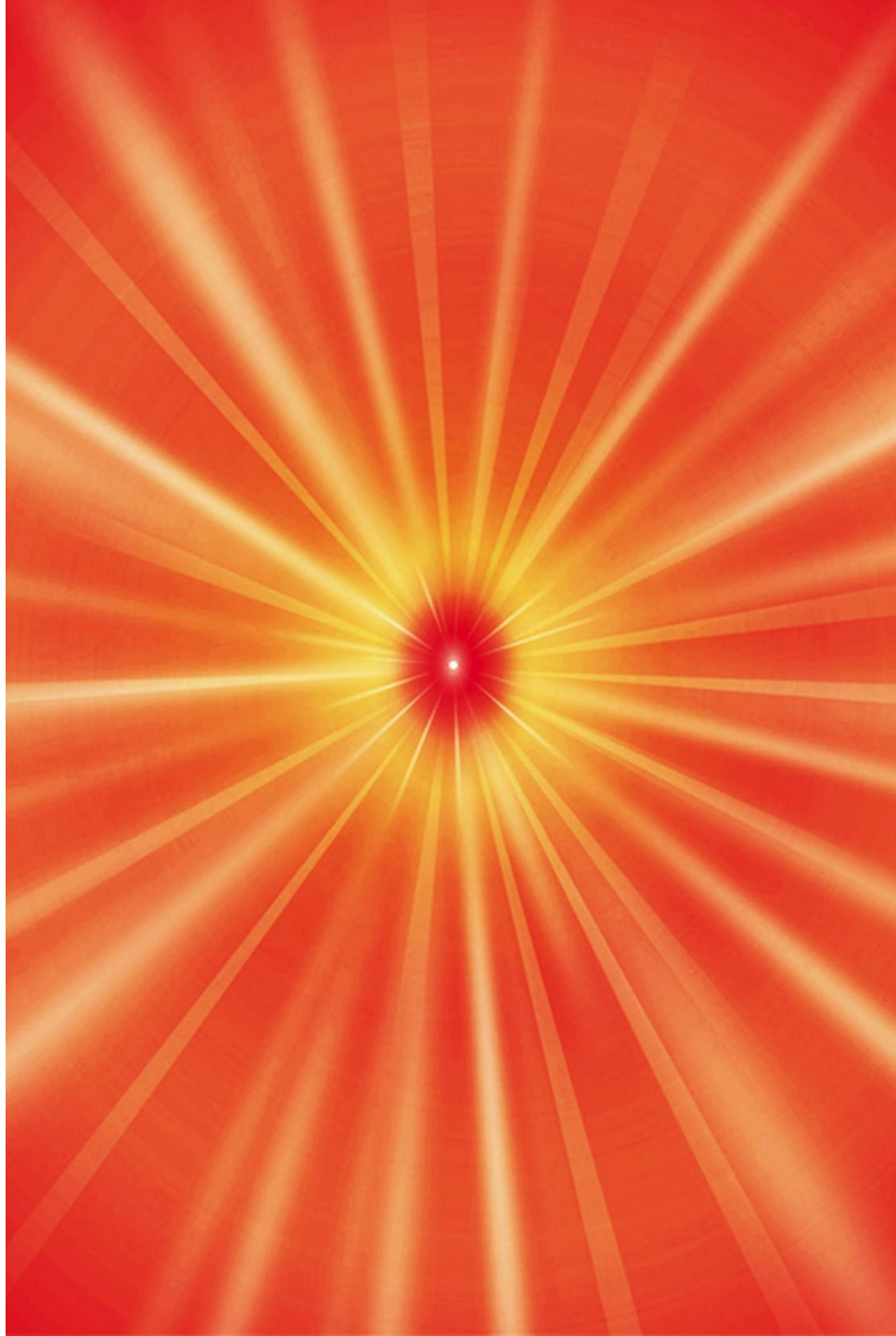

- इस समय तो बाप आकर सारी दुनिया के मनुष्य मात्र को साफ करते हैं।

- बाप ही ज्ञान का सागर है। वह सत है, चैतन्य है, अमर है। पुनर्जन्म रहित है। शान्ति का सागर, सुख का सागर, पवित्रता का सागर है। उनको ही बुलाते हैं कि आकर यह वर्सा दो।

- तुमको अभी बाप 21 जन्मों के लिए वर्सा दे रहे हैं। यह है अविनाशी पढ़ाई। पढ़ाने वाला भी अविनाशी बाप है।

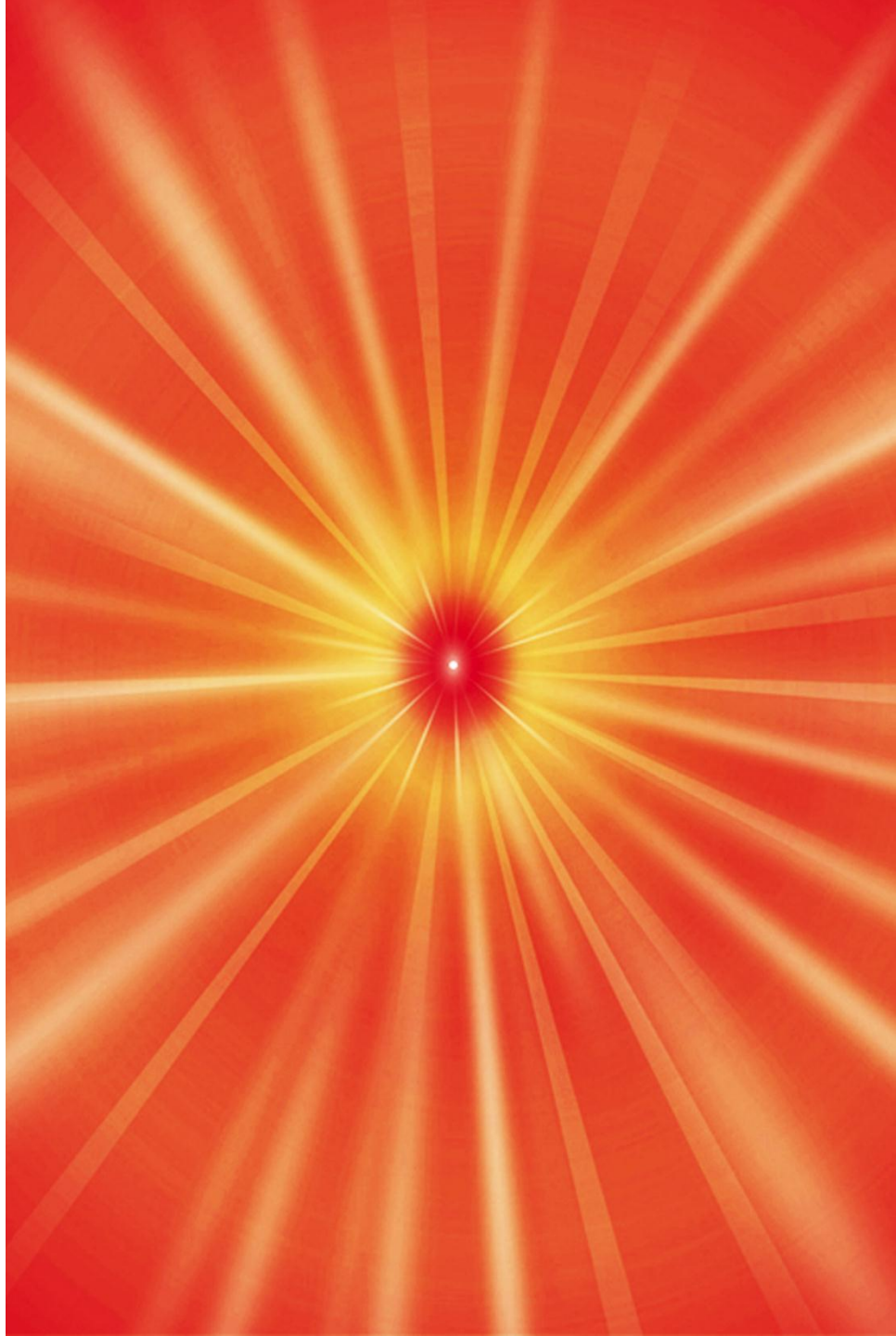

- प्राणों से प्यारा एक बाप ही है क्योंकि वही तुम बच्चों को सब दु:खों से छुड़ाए अपार सुख में ले जाते हैं। तुम निश्चय से कहते हो वह हमारा प्राणों से प्यारा पारलौकिक बाप है। आधाकल्प के लिए दु:ख से छुड़ाए शान्ति और सुख देने वाला बाप ही है। तो प्राणों से प्यारा हुआ ना।

- स्वर्ग की स्थापना बाप राम करते हैं, नर्क की स्थापना रावण करते हैं

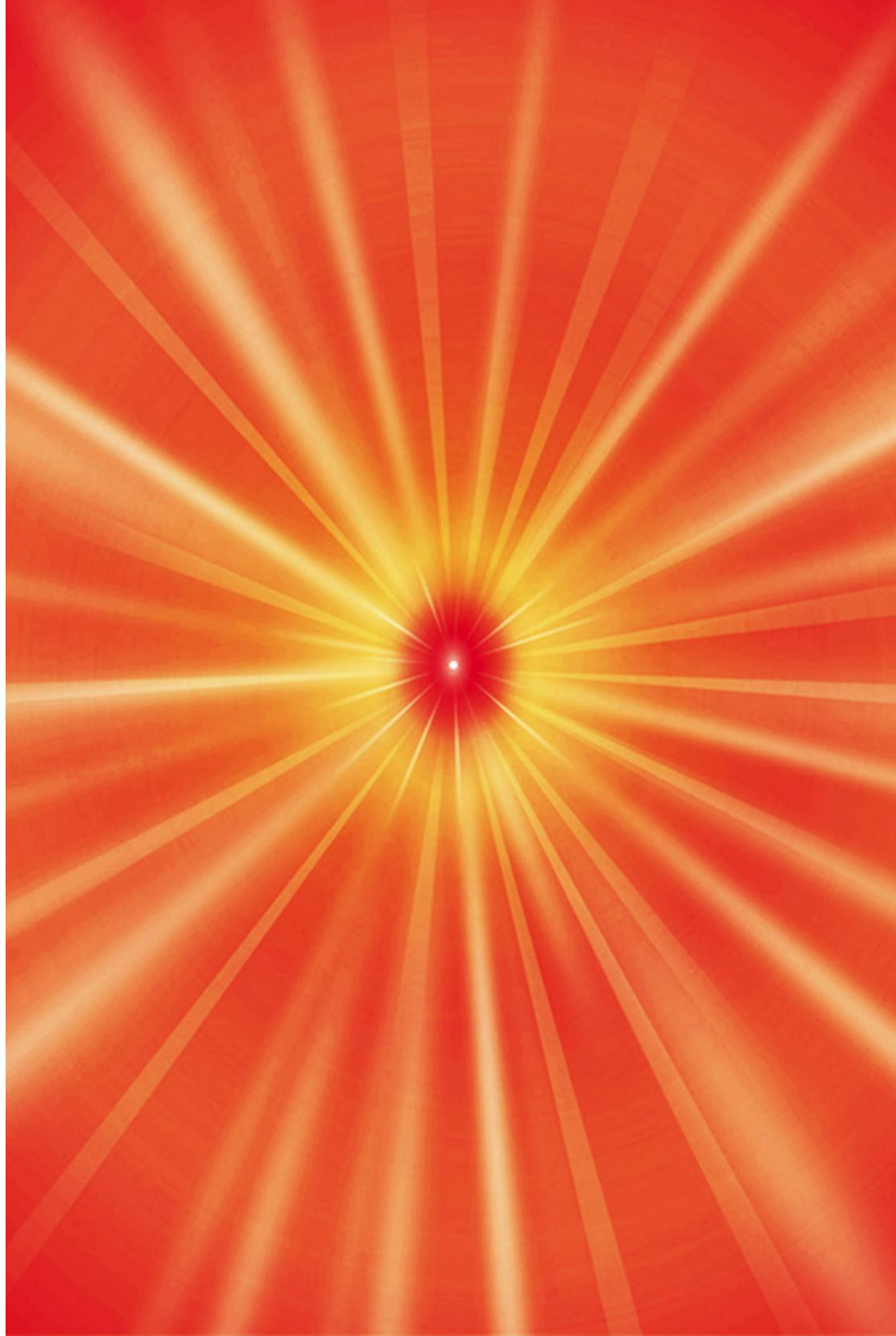

- सारे वर्ल्ड की हिस्ट्री-जाग्रॉफी को कोई भी मनुष्य मात्र नहीं जानते होंगे। बाप ही जानते हैं। उनको वर्ल्ड का रचयिता भी नहीं कहेंगे। वर्ल्ड तो है ही, बाप सिर्फ आकर नॉलेज देते हैं कि यह चक्र कैसे फिरता है।

- सर्व का कल्याणकारी, सर्व का सद्गति दाता है ऊंच ते ऊंच बाप। ऊंच ते ऊंच मनुष्य बनाते हैं।

- तुम तो ट्रांसफर करते हो 21 जन्मों के लिए। बाप तो है ही दाता।

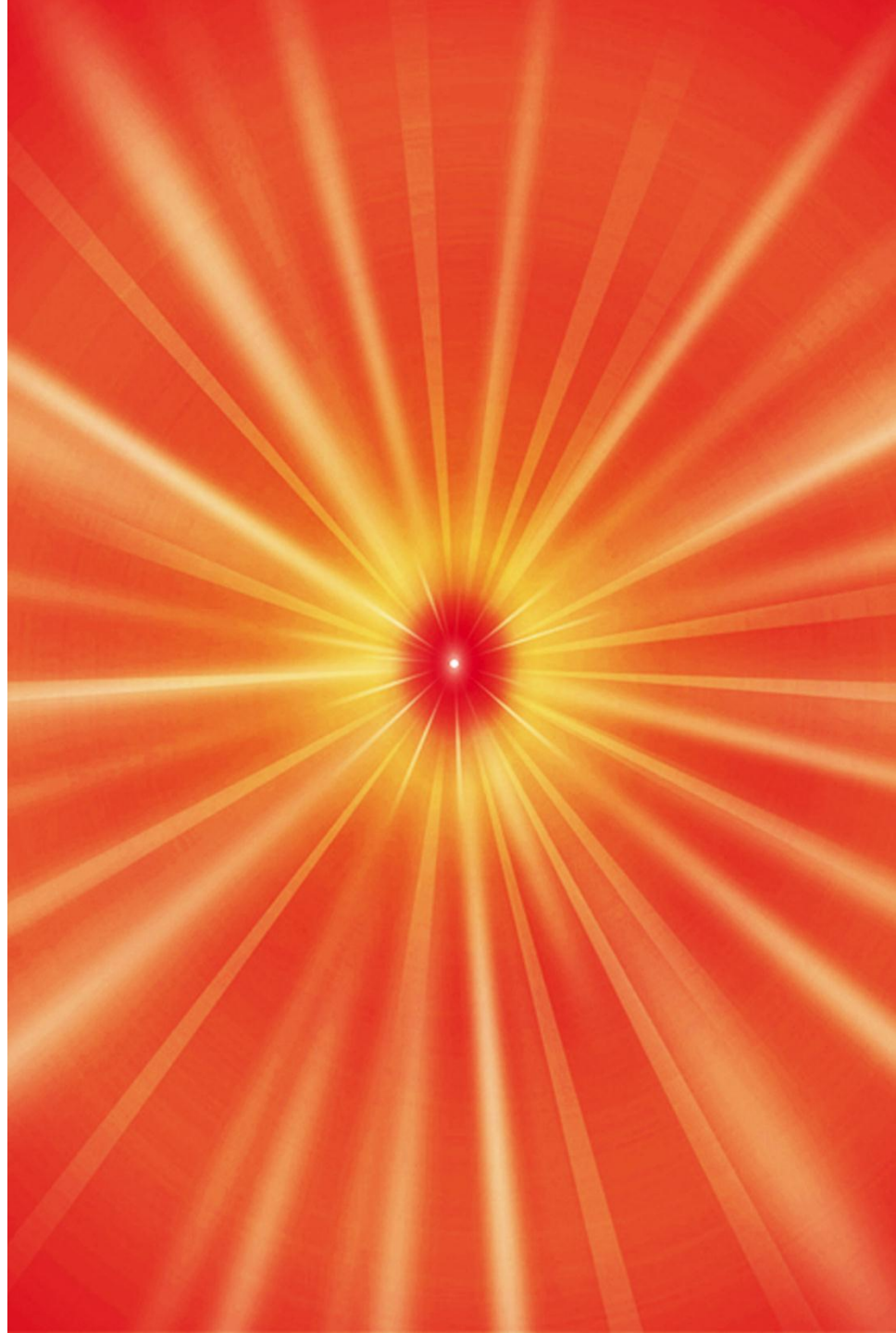

- उत्तम ते उत्तम पुरूष यह श्री लक्ष्मी-नारायण हैं ना। इन्हों को ऐसा बनाने वाला श्री-श्री शिवबाबा कहेंगे। श्री-श्री उस शिवबाबा को ही कहा जाता है।

- इन ब्रह्माकुमार-कुमारियों को पढ़ाने वाला शिवबाबा हैं।